निवेश प्रबंधन में कॅरिअर के अवसर

डॉ. संजय तिवारी

पिछले दशक के दौरान सेवा क्षेत्र पर्याप्त रूप से पनपा है। सकल विकास कार्यक्रम (जीडीपी) की प्रतिशतता के रूप में सेवा क्षेत्र ने 1998–99 के 55.40% से ऊपर उठकर 2008–09 में 64.55% के आंकड़े को छुआ है। स्वयं सेवा क्षेत्र में, वित्त पोषण, बीमा, भू–संपदा तथा व्यवसाय क्षेत्रों का योगदान 2008–09 में 22.89% रहा है, जो इस क्षेत्र के संगत निष्पादन को दर्शाता है। वित्त सेवाओं के बढ़ते हुए कार्य–क्षेत्र के साथ अनेक बैंक, वित्तीय संस्थाएं तथा निवेश संस्थाएं उभर कर सामने आई हैं, जो स्टॉक मार्केट के माध्यम से निवेश कार्यों में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में शामिल हैं। फुटकर निवेशकों में बढ़ी हुई जागरूकता पिछले कुछ वर्षों में आई.पी.ओ निवेश में चढ़ाव की साक्षी रही है। इन तथ्यों को देखते हुए, स्टॉक मार्केट या पूंजी बाजार में संभावनाओं को ठोस रूप देने के लिए कुशल मानव संसाधनों के लिए व्यापक अवसर हैं।

निवेश बचत तथा उपभोग के अतिरिक्त पूंजी–निर्माण का अत्यधिक महत्वपूर्ण घटक है। भारत के सेवागत विकास में निवेश प्रबंधन कॉर्पोरेट, सरकारी, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों तथा जनता की वित्त–पोषण आवश्यकताओं के अभिकल्पन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हाल ही में, कुछ राज्य–चालित संगठनों ने, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के निजीकरण के अनुरूप अपने विस्तार, वैविध्यकरण तथा आधुनिकीकरण नीति के लिए जनता से निधि प्राप्त करने के लिए एक ट्रेंड प्रारंभ किया है। जनता में जाने की प्रक्रिया इतनी आसान नहीं है और इसमें कई बारीकियां, औपचारिकताएं तथा जटिल प्रक्रियाएं निहित हैं। कॉर्पोरेट जगत तथा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को निवेश प्रबंधन में विशेषज्ञता एजेंसियों का परामर्श लेना होता है।

निवेश प्रबंधन : आयाम एवं अवसर

निवेश प्रबंधन के विभिन्न आयाम हैं प्रबंधन में जोखिम तथा वित्तीय परिसम्पत्तियों विशेष रूप से कंपनियों, बैंकों, वित्तीय संस्थाओं, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों एवं एचएनआईएस (हाई नेट वर्थ इंडीविजुअल्स) आदि द्वारा धारित स्टॉक मार्केट, म्यूचल फंड्स, ई.टी.एफ, डेरिवेटिव्ज, करेंसी डेरिवेटिव्ज, कमोडिटी डेरेवेटिव्ज, पोर्ट फोलियो निवेश में सूचीगत भू–सम्पत्तियों के जोखिम तथा मुनाफे का विश्लेषण करना निहित है। इसके अतिरिक्त, निवेश प्रबंधन में ग्राहकों (सांस्थानिक एवं फुटकर) को सलाह एवं परामर्श देना, ब्रोकरों के माध्यम से ट्रेडिंग को कारगर बनाना, उनकी तरफ से मंडी में लेन–देन, उनके ग्राहकों के निवेश का आवधिक विश्लेषण, मंडी नियामकों, कॉर्पोरेट वित्तीय प्रबंधन, अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन, फोरेक्स (विदेशी मुद्रा प्रबंधन) से समन्वय तथा विश्लेषकों द्वारा निवेश–निर्णय भी शामिल है। स्टॉक मार्केट में विश्लेषक अपने शेयर ब्रोकरों, ग्राहकों, पोर्ट फोलियो प्रबंधन कंपनियों, परिसम्पत्ति प्रबंधन कंपनियों (एएमसी) के लिए तकनीकी एवं मूलभूत विश्लेषण में शामिल होते हैं। इस विश्लेषण के आधार पर व्यक्ति तथा ब्रोकरों द्वारा निवेश–निर्णय लिए जाते हैं।

स्टॉक मार्केट में कॅरिअर एवं कार्य–प्रकृति

स्टॉक कार्यालय वे स्थान होते हैं, जहां स्टॉक ब्रोकर व्यक्तियों तथा संस्थाओं के लिए सिक्यूरिटीज़ खरीदते या बेचते हैं। वे शेयरों, डिबेंचर, बॉन्ड्स, ईटीएफ, म्यूचल फंड, डेरिवेटिव्ज आदि सहित वित्तीय सिक्यूरिटीज की ट्रेडिंग को कारगर बनाते हैं। स्टॉक बाजार के विभिन्न सहभागी होते हैं। इनमें स्टॉक ब्रोकर, निवेश विश्लेषक, ट्रेडर आदि शामिल होते हैं। यदि आप वित्त में एमबीए होने के साथ निवेश प्रबंधन में विशेषज्ञता रखते हैं तो निवेश पोर्ट फोलियो या परामर्श देने वाली किसी फर्म में आप कॅरिअर तलाश सकते हैं। इस क्षेत्र में आपको न केवल आकर्षक वेतन मिलेगा, बल्कि आप किसी प्रतिष्ठित संस्था के साथ एक परामर्शदाता के रूप में भी कार्य कर सकते हैं। स्वतंत्र परामर्श कार्य भी आपके लिए कॅरिअर का एक विकल्प हो सकता है।

भारत में 23 स्टॉक कार्यालय हैं। इन कार्यालयों में निम्नलिखित संबंधित कार्य विकल्प उपलब्ध हैं :– नियामक निकाय, वित्तीय संस्थाएं, विदेशी सांस्थानिक निवेशक (एफआईआई), वित्तीय नियोजक, निवेश विशेषज्ञ, बैंकों के ब्रोकेज तथा मर्चेंट बैंकिंग प्रभाग।

स्टॉक मार्केट में कुछ कॅरिअर पद भी उपलब्ध हैं, जिनके कार्य प्रोफाइल निम्नानुसार हैं :–

ब्रोकर फर्मों तथा निवेश संगठनों का फंडामेंटल विश्लेषक की जरूरत, निष्पादन अनुपात, बाजार–संभावनाओं, मुनाफे, वित्तीय स्थिति, वित्तीय अनुपात, तुलन–पत्र तथा प्रतिस्पर्धियों की स्थिति आदि के कड़े विश्लेषण के आधार पर कंपनियों के पिछले वित्तीय एवं कार्य–परिचालन निष्पादन का विश्लेषण करने के लिए होती है।

इसी तरह तकनीकी विश्लेषकों की आवश्यकता उन निवेश फर्मों को होती है जो कुछ आंकड़ों, चार्ट्स तथा ग्राफ्स में प्रदर्शित विगत व्यवहारात्मक पद्धति के संबंध में जोखिम मुनाफे की सूचना का विश्लेषण करती हैं।

स्टॉक ब्रोकर ऐसे एजेंट या बिचौलिए होते हैं जो बांड इशू, सांस्थानिक लेखा हस्तन या म्यूचल फंड आदि जैसी विभिन्न वित्तीय सेवाओं में विशेषज्ञता रखते हैं। उनकी सेवाओं की आवश्यकता निवेश फर्मों, ब्रोकर हाउस, बैंकों, बीमा कंपनियों, पेंशन निधि, म्यूचल फंड तथा अन्य उन वित्तीय संस्थाओं को होती है जो माध्यमिक बाजार के माध्यम से निवेश में लगी होती हैं। स्टॉक ब्रोकर निजी ग्राहकों तथा सांस्थानिक ग्राहकों के लिए कार्य करते हैं। कुछ ब्रोकर केवल डीलर (ग्राहक निवेश प्रबंधकों) के रूप में कार्य करते हैं, जबकि अन्य ब्रोकर सैद्धांतिक रूप से सलाहकार (इक्विटी विक्रय सलाहकार) होते हैं। बड़ी फर्मों के स्टॉक ब्रोकर, छोटी फर्मों के कार्य देखते हैं और उन्हें सलाह देते हैं या वैयक्तिक तथा सांस्थानिक फर्मों–दोनों के लिए कार्य करते हैं।

सिक्यूरिटी ब्रोकर ब्रोकेज फर्मों के प्रतिनिधि होते हैं। वे सिक्यूरिटी खरीदने तथा बेचने के कार्य करते हैं, वे वित्तीय परिसम्पत्तियों के विक्रय तथा क्रय एवं वित्तीय निवेश फर्मों के प्रबंधन द्वारा लिए जाने वाले निर्णयों पर ज्ञान, कौशल एवं अनुभव रखते हैं।

सिक्यूरिटी विक्रय प्रतिनिधियों को अपने ग्राहकों की निवेश योजनाओं जैसे उनकी जोखिम उठाने की क्षमता तथा निवेश के लिए समय–सीमा को समझने तथा निर्धारण के कार्य करने होते हैं और वे अपने ग्राहकों का मार्गदर्शन करते हैं, उन्हें सलाह देते हैं तथा उनकी ओर से बाजार लेन–देन करते हैं। प्रौद्योगिकी के आगमन के साथ ही बाजार संबंधी लेन–देन ऑनलाइन किए जाते हैं और डील दर्ज की जाती है। आज–कल ब्रोकर पोर्टफोलियो प्रबंधन के लिए सेवाएं दे रहे हैं। वे बाजार में रूझान तथा विकास के आधार पर निवेश की निरंतर समीक्षा करते हैं।

सिक्यूरिटी ट्रेडर वे ब्रोकर होते हैं जो सांस्थानिक निवेश के लिए कार्य करते हैं और डीलर तथा सलाहकार के रूप में कार्य करते हैं। वे विस्तृत सांख्यिकीय तथ्यों तथा आंकड़ों की ताजा जानकारी रखते हैं।

सिक्यूरिटी विश्लेषक बैंकों के मर्चेंट बैंकिंग प्रभागों, वित्तीय संस्थाओं तथा निवेश–संस्थाओं द्वारा नियुक्त किए जाते हैं। वे अपनी ब्रोकेज संस्थाओं के सलाहकार होते हैं और वर्तमान बाजार प्रवृत्ति का ज्ञान रखते हैं और उनमें भावी प्रवृत्तियों का अनुमान लगाने की क्षमता होती है।

ब्रोकेज संस्थाएं विक्रय–पूर्व विक्रय, विक्रय तथा विक्रय पश्चात सेवाओं से जुड़ी होती हैं, इन संस्थाओं में सिक्यूरिटी स्वामियों के लिए विक्रय तथा ट्रेडिंग, सिक्यूरिटी जारी करने के लिए फर्मों एवं सरकार के लिए निवेश बैंकिंग तथा पूंजी बाजार प्रबंधन विभाग होते हैं जो ट्रेडिंग कार्यों के जरूरी साधन होते हैं।

निवेश विश्लेषक अपने फुटकर तथा सांस्थानिक ग्राहकों के लिए व्यावसायिक परामर्शदाता होते हैं और ये निवेशकों एवं निधि प्रबंधकों द्वारा उपयोग में लाई जाने वाली ठोस सूचना के जानकार होते हैं। ये उन फर्मों के साथ कार्य करते हैं जो वित्तीय सिक्यूरिटी खरीदने तथा बेचने पर सलाह देती हैं और ये उन फर्मों से भी जुड़े होते हैं जो निधि प्रबंध करती हैं। मर्चेंट बैंकों, बीमा तथा पेंशन निधि में निधि प्रबंधक निवेशकों की बड़ी संख्या द्वारा की गई विशाल निवेश में शामिल होते हैं।

सामान्यतः निवेश विश्लेषक का कार्य व्यवसाय को प्रभावित करने वाली आर्थिक घटनाओं की समीक्षा करना, कंपनियों की रिपोर्टों की आवधिक समीक्षा करना, व्यवसाय से जुड़ी सांख्यिकीय सूचना का विश्लेषण करना और अपने ग्राहकों को सलाह देना होता है।

इक्विटी विश्लेषक पिछले कुछ वर्षों में भारत में इक्विटी मार्केट ने जबर्दस्त उछाल देखा है। प्राथमिक बाजार (अर्थात आईपीओ बाजार) तथा मामले बाजार के विकास के साथ ही इक्विटी निवेश निर्णय में विशेषज्ञों की व्यापक मांग हो गई है। सांस्थानिक निवेशकों, फुटकर निवेशकों तथा परिसम्पत्ति प्रबंधन कंपनियों (एएमसी) को अपने ग्राहकों के लिए इक्विटी विश्लेषक की आवश्यकता होती है। इक्विटी विश्लेषक कंपनियों के कार्य–निष्पादन के निरंतर अनुसंधान करने, रिपोर्ट तैयार करके, क्षेत्रगत दौरा करके निर्णय को प्रभावित करने वाले उच्च प्रबंधन व्यक्तियों के साक्षात्कार लेकर विभिन्न कंपनियों के इक्विटी शेयरों में निवेश के वित्तीय प्रबंधन एवं जोखिम–मुनाफा विश्लेषण कार्यों से जुड़े होते हैं।

क्रमशः

*(लेखक केंद्रीय हरियाणा विश्वविद्यालय, महेन्द्रगढ़ में एसोसिएट प्रोफ़ेसर (प्रबंधन) हैं। ई–मेल : **stiwarigju@reidffmail.com**)*